समाज के विभिन्न क्षेत्रों में रचनात्मक कार्य करने हेतु महिलाओं को किया सम्मानित

वड़ोदरा-अटलादरा(गुज.)। अटलादरा सेवाकेन्द्र में 'वंदे मातरम् - स्वर्णिम भारत' थीम पर महिला दिवस मनाया गया, जिसमें वड़ोदरा में विभिन्न समाज हितकारी कार्य क्षेत्रों में अपनी सक्रिय भूमिका द्वारा उल्लेखनीय योगदान देने वाली 26 प्रतिभावान महिलाओं को सम्मानित किया गया। शिक्षा, स्वास्थ्य, कला एवं समाज सेवा के विभिन्न क्षेत्रों में अपनी अमिट छाप छोड़कर समाज के लिए उदाहरण बनी हुई इन नारी शक्तियों को प्रोत्साहित किया गया। राजयोगिनी ब्र.कु. अमर दीदी,अहमदाबाद ने कहा कि जीवन में अनेक दुःखों का कारण अहंकार है। इसे मिटाने के लिए ईश्वरीय ज्ञान से आंतरिक ज्योति जगायें। सुमनदीप यूनिवर्सिटी की प्रोफेसर डॉ. मेघना बेन जोशी ने कहा कि हर नारी के जीवन के संघर्ष के समय आत्मसम्मान ही नारी की सबसे बड़ी शक्ति है, जिसे हमें हर हाल में कायम रखना है इसीलिए मन को शक्तिशाली रखना भी हमारी सफलता का एक प्रमुख अंग है, जिसका हमें ध्यान रखना है। बिलाबोंग स्कूल की प्रिंसिपल डॉ. प्रीति बेन श्रीमाल ने कहा कि नारी शक्ति के अंदर देने का गुण स्वाभाविक है लेकिन इस स्वभाव के साथ-साथ हमें अपने महत्त्व को भी समझना है और स्वयं अपने आप

ब्रह्माकुमारीज़ अटलादरा में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर विभिन्न क्षेत्रों में अपना योगदान देने वाली 26 प्रतिभाशाली महिलाओं का सम्मान किया गया।

को भी सम्मान देना है। मां शक्ति गरबा ग्रुप की डायरेक्टर आरती बेन ठक्कर ने कहा कि नारी मां, बहन, पत्नी आदि की कई भूमिकाएं निभाती है। ऐसे में मन की शांति के लिए राजयोग मेडिटेशन को जीवन में अपनाना चाहिए। ब्र.कु. रिया बेन वैद्य ने कहा कि जिन लोगों ने अभी तक राजयोग नहीं किया है वह सेंटर पर आयें और एक बार जरूर राजयोग सीखें। क्योंकि आगे चल कर परिस्थितियां और भी खराब आने वाली है तो ऐसे समय में हमें परमात्म शक्तियों की आवश्यकता होती है और वो सिर्फ परमात्मा से ही मिलेगी। सेवाकेन्द्र संचालिका डॉ. ब्र.कु. अरुणा ने नारी शक्ति को देवियों की आठ भुजाओं के आध्यात्मिक अर्थ के बारे में बताते हुए कहा कि हम सभी के अंदर अनेक शक्तियां हैं। उनमें 8 मुख्य आध्यात्मिक शक्तियों को ही देवियों की आठ भुजा के रूप में प्रदर्शित किया जाता है और नारी शक्ति उन शक्तियों को जब अपने जीवन में धारण करती है तो वह शक्ति स्वरूपा हो जाती है। उन्होंने फिर उन आठों शक्तियों के विषय में स्पष्ट किया और कॉमेंट्री के द्वारा सबको गहन आत्म अनुभूति एवं शक्ति का अनुभव कराया। नारी की महिमा पर सुंदर कविता, आधुनिकता और संस्कारों के संगम के साथ महिला उत्थान विषय पर सुंदर नाटिका एवं नृत्य प्रस्तुति के द्वारा सभी को मनोरंजन करवाया। मौके पर ब्र.कु. पूनम, कॉर्पोरेटर संगीता बेन चोकसी, पी पी श्रॉफ ग्रुप की ओनर परेशा बेन ठक्कर आदि की भी उपस्थिति रही।

भौतिकता में ही न खो जाएं नारी, आध्यात्मिकता को भी जीवन में अपनाएं : श्रीमती सिन्हा

रायपुर छ.ग.। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज़ ईश्वरीय विश्व विद्यालय के महिला प्रभाग द्वारा विधानसभा मार्ग स्थित शान्ति सरोवर रिट्रीट सेन्टर में महिला जागृति आध्यात्मिक सम्मेलन 'वन्दे मातरम् से स्वर्णिम भारत' विषय पर आयोजन किया गया। सम्मेलन में मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या देवी साय ने कहा कि हम भौतिकता में लिप्त हो रहे हैं। अब इससे दूर रहकर साधना की जरूरत है। कल क्या होगा नहीं मालूम इसलिए वर्तमान को जीना सीखें। अच्छे विचारों को फैलायें और मानव जीवन को सफल बनायें। मार्ग कितना भी कठिन क्यों न हो उस मार्ग पर चलना जरूर है। उन्होंने कहा कि जिन्दगी कठिन नहीं है, बल्कि सहज है। कठिन हम बना लेते हैं। इसलिए राजयोग को जीवन में अपनाएं औरों को भी प्रेरणा दें। बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्षा डॉ. वर्णिका शर्मा ने कहा कि यदि मातृशक्ति को आगे बढ़ाना है तो उन्हें शिक्षित करना होगा। मन विजय से रण विजय होगा। शिक्षा हमें डिग्री देती है, पैसा दिलाती है, अर्थपूर्ण जीवन उपलब्ध कराती है। लेकिन यह अपरा विद्या है। लेकिन आज हम बात करेंगे परा विद्या की। वह आत्मावलोकन कराती है। इसके लिए आत्मा और परमात्मा का ज्ञान जरूरी है। रायपुर सेवाकेन्द्र की संचालिका ब्र.कु. सविता दीदी ने कहा कि ब्रह्माकुमारी संस्थान पूरे विश्व में एकमात्र ऐसी संस्था है जिसका पूरा संचालन मातृ शक्ति द्वारा किया जाता है। परमपिता परमात्मा ने ज्ञान का कलश माताओं-बहनों के सिर पर रखा है। बाहरी चकाचौंध में न खो जाएं, अपने अन्दर भी झाँक कर देखें। थोड़ा समय निकालकर राजयोग का अभ्यास करें। पुलिस अधीक्षक,आईपीएस श्रीमती श्वेता श्रीवास्तव सिन्हा ने कहा कि सनातन धर्म में पुरुष और नारी को समान दर्जा प्राप्त है। घर परिवार में बच्चे को शिक्षित करने का कार्य माताएं करती हैं। इसलिए महिलाओं के लिए शिक्षा का महत्त्व बहुत ज्यादा बढ़ जाता है। भौतिकता में ही न खो जाएं। आध्यात्मिकता को जीवन में अपनाएं। भारतीय जनता पार्टी की प्रवक्ता श्रीमती शताब्दी पाण्डे ने कहा कि नारी व्यक्ति नहीं, शक्ति है। वह बचपन में खेलकूद, पहाड़ पर चढ़ने आदि कार्यों में अत्यंत कुशल थी लेकिन वह बहुत उग्र स्वभाव की थी। जब उन्होंने राजयोग सीखकर उसका अभ्यास करना शुरू किया तो उनका स्वभाव ही बदल गया। अब वह सबके प्रति अपनेपन का भाव रखती है। राजयोग से हमारे अन्दर की शक्तियाँ जागृत हो जाती हैं। राजयोग शिक्षिका ब्र.कु. रश्मि व पुलिस महानिदेशक की धर्मपत्नी श्रीमती ज्योति गौतम ने भी अपने विचार रखे। नगर के बाल कलाकारों ने नारी शक्ति के महत्त्व को उजागर करते हुए सुन्दर नृत्य प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का कुशल संचालन ब्र.कु. अदिति ने किया।

रतलाम-डोंगरे नगर(म.प्र.)। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर 'वंदे मातरम्-स्वर्णिम भारत' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में ईश्वरीय सौगात भेंट करने के पश्चात् समूह चित्र में डिप्टी कलेक्टर राधा महंत, नायब तहसीलदार प्रतिभा भावर, पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी सुलोचना शर्मा, डॉ. गीता दुबे, जनपद सदस्य मंगला देवड़ा, लायंस क्लब की पूर्व प्रेसिडेंट शशि संघवी, नामली नगर परिषद उपाध्यक्षा पूजा योगी, सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. सविता, ब्राह्मण समाज व पोरवाल समाज की माताएं तथा अन्य।

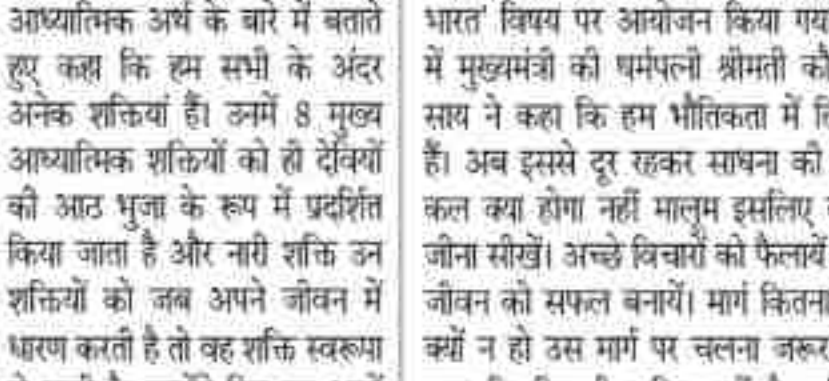

कामठी-आदर्श नगर(महा.)। इंटरनेशनल वुमेन्स डे पर आयोजित कार्यक्रम के पश्चात् समूह चित्र में ब्र.कु. शीनू, ब्र.कु. वंदना, उपसभापति विमलताई साबळे, मुख्याध्यापिका सुनीता ताई रेवतकर, केंद्रीय विद्यालय की अनीता मैम, तहसील कार्यालय की नंदा सोनसरे मैम, गादा की पुलिस पाटिल वंदना चकोले मैम, बैंक ऑफ महाराष्ट्र की आम्रपाली कुसुमताई पोतनवार एवं उषा माता जी।

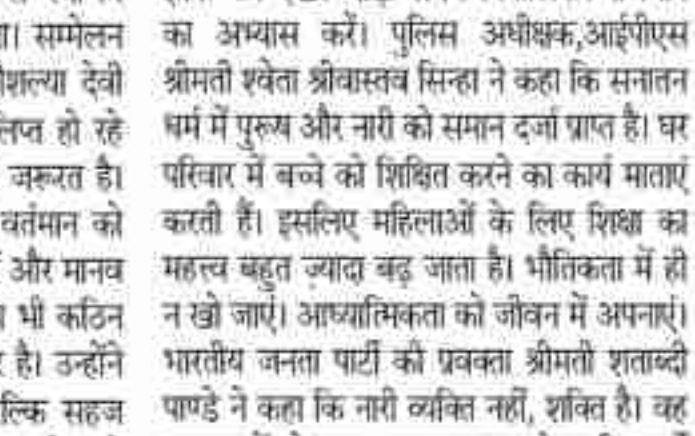

जकातवाड़ी-सातारा(महा.)। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित रहे सरपंच श्रीमती अश्विनी दलवी, पंचायत समिति सदस्य शेंद्रेगाव श्रीमती कोमल दलवी, प्रधानाध्यापिका श्रीमती शारदा भिलारे, स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. शांता तथा अन्य।

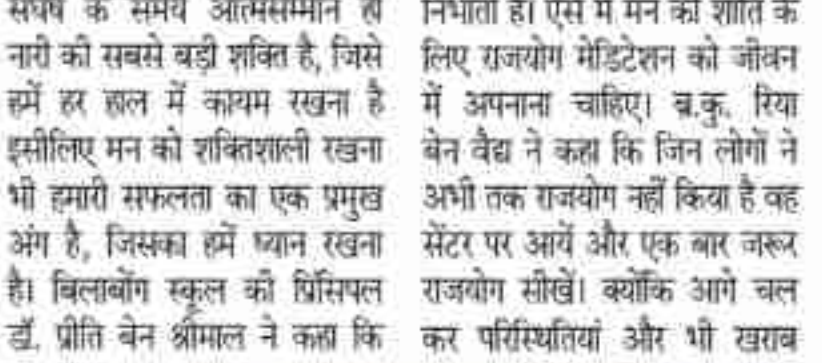

राजनांदगांव-छ.ग.। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अंतर्गत आयोजित 'वंदे मातरम्-स्वर्णिम भारत' कार्यक्रम का दीप प्रज्वलन कर शुभारम्भ करने के पश्चात् समूह चित्र में पूर्व महापौर हेमा देशमुख, अधिवक्ता शारदा तिवारी, पार्षद मणि भास्कर गुप्ता, प्राचार्य भारती गौरे, वर्षा अग्रवाल, सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. पुष्पा, ब्र.कु. प्रभा तथा अन्य।

इंदौर-गंगोत्री विहार(म.प्र.)। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस एवं फाग उत्सव के अवसर पर साई गंगोत्री विहार स्थित ज्ञानदीप भवन में 'वंदे मातरम्-स्वर्णिम भारत' थीम पर आयोजित सम्मान समारोह एवं प्रेरणादायी संगोष्ठी का दीप प्रज्वलन द्वारा शुभारम्भ करते हुए शहर की गणमान्य महिलाएं।

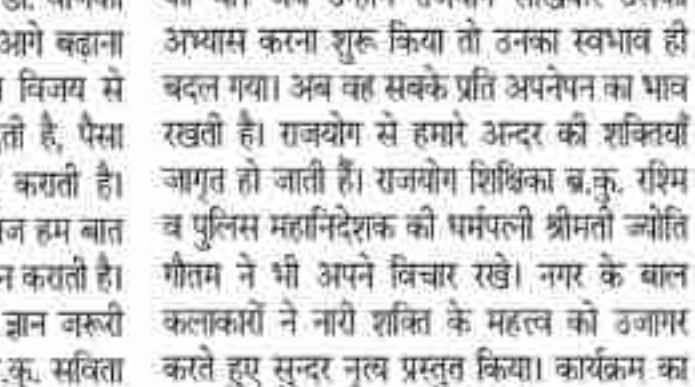

छोटा उदेपुर-गुज.। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर शुभारम्भ करते हुए स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका डॉ. ब्र.कु. मोनिका, श्रीमती सोनल देसाई,वकील, श्रीमती असमा पठान,समाज सेविका एवं कॉर्पोरेटर,नगर सेवा सदन, श्रीमती मनीषा पारेख,गुजरात राज्य योग बोर्ड की डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर, श्रीमती दीपिका पटेल,योग कोच तथा अन्य।

सिवनी-म.प्र.। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में शान्ति शिखर के सद्भावना सभागार में आयोजित भारत का गौरव-नारी शक्ति ड्रेस कंपटीशन पश्चात् समूह चित्र में स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. ज्योति संग बाल कलाकार एवं ब्रह्माकुमारी बहनें।

पोरबंदर-गुज.। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर 'सखी क्लब ऑफ पोरबंदर' में आयोजित कार्यक्रम में महिलाओं को सम्बोधित करते हुए ब्र.कु. लीना बहन। साथ हैं सखी क्लब व पोरबंदर जिला भाजपा प्रमुख डॉ. चेतना तिवारी तथा अन्य गणमान्य महिलाएं।

नांदेड़-कंधार(महा.)। डीआईजी शाहजी उमाप को परमात्म संदेश देने के पश्चात् ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. ज्योति।